दिनांक

क्या तुम जानते हो?

इस तालिका को देखो। पहले इस पर बातचीत करो, फिर इसे अपने आप भरो। हर नाम के सामने लिखना है कि वह लम्बी है या गोल, और उसका रंग क्या है?

नाम	लम्बी या गोल	रंग
टमाटर		
मिरची		
टायर		
कलम		
गाजर		
साँप	लम्बा	काला
लड्डू		
मूली		
जलेबी		
नारियल		
चन्द्रमा		
नीबू		

तालिका देख कर वाक्य बनाओ

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- साँप लम्बा और काला होता है।
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

1. तालिका में गोल चीजें कितनी हैं? ☐
2. तालिका में लम्बी चीजें कितनी है? ☐
3. तालिका में गोल चीजें ज़्यादा है या लम्बी?
4. तालिका में लाल रंग की कितनी चीज़े हैं? ☐ उनके नाम लिखो?

दिनांक

अब इस तालिका को देखो। पहले इस पर बातचीत करो, फिर इसे अपने आप भरो। यहां पर किन-किन चीजों की जानकारी दी गई है?

बच्चों के नाम	किस कक्षा में	उम्र
कैलाश	तीसरी	10 साल
ललिता	दूसरी	8 साल
हरि	चौथी	12 साल
संतू	तीसरी	9 साल
लछमी	तीसरी	9 साल
सुखबती	दूसरी	9 साल

इस तालिका को देखकर उत्तर लिखो।

- कैलाश किस कक्षा में है?
  _____
- तीसरी कक्षा के कितने बच्चे हैं? नाम लिखो।
  _____
- दूसरी कक्षा के कितने बच्चे हैं?उनका नाम लिखो।
  _____
- तालिका में 9 साल के कौन-कौन है? नाम लिखो।
  _____
- सबसे कम उम्र का कौन है? उसका नाम लिखो।
  _____

अपने किसी दोस्त या सहेली के बारे में लिखो।

_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____
_____

●नीचे बनी तालिका में अपने किन्हीं छह-सात दोस्तों/ सहेलियों की जानकारी भरो।

दोस्त / सहेली का नाम	किस कक्षा में	उम्र
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

दिनांक

इकाई और दहाई- समूह बनाओ

इन डिब्बों में बहुत सारे चित्र बने हैं। सुरता और आज़ाद से गिने नहीं जा रहे थे। सुरता ने कहा-एक काम करते हैं। दस-दस गिनकर उन पर घेरा लगा देते हैं। एक घेरा माने एक दहाई। और जितने खाली छूटे, उतनी इकाई। बस संख्या पता चल जाएगी। दहाई और इकाई को देखकर संख्या लिखो। तुम भी गिनकर दस-दस का समूह बनाओ। नीचे लिखो कितने समूह और कितने खुल्ले।
तुम भी ऐसा चित्र बनाओ और दोस्तों को हल करने को दो।

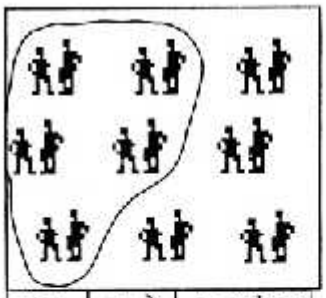

समूह	खुल्ले	कुल संख्या
1	8	18

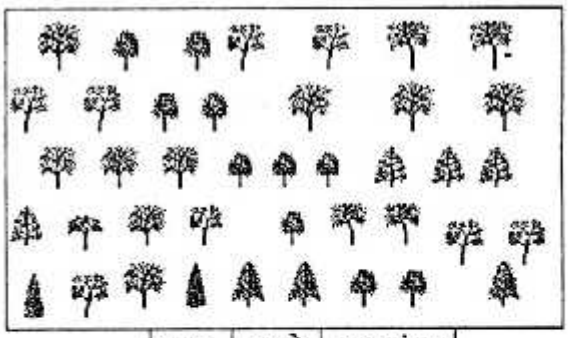

समूह	खुल्ले	कुल संख्या

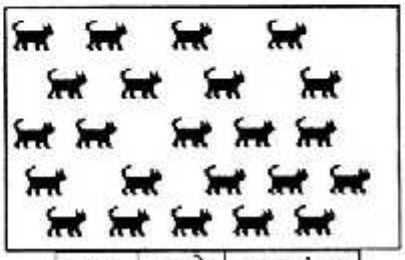

समूह	खुल्ले	कुल संख्या

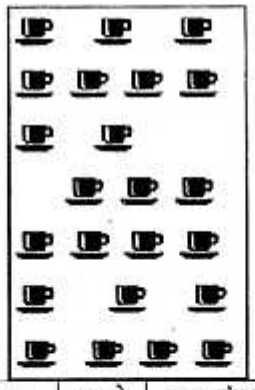

समूह	खुल्ले	कुल संख्या

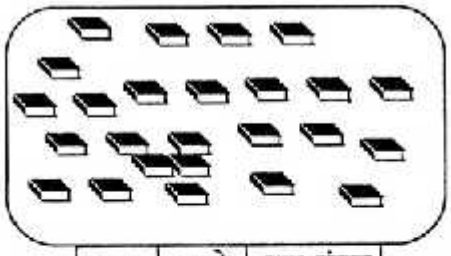

समूह	खुल्ले	कुल संख्या

दिनांक

क्रम बताओ आगे बढ़ाओ

कबीर ने कुछ सोचकर नीचे कुछ चित्र बनाए हैं। उसने एक खास क्रम में इन्हें बनाया है। सोचो वह क्रम क्या होगा? फिर उसी क्रम को बढ़ाते हुए आगे के चित्र बनाओ।

चौथा क्या होगा? कबीर ने इस बार तीन चित्र बनाए। चौथे चित्र की जगह खाली छोड़ दी है। एक बार फिर सोचो और खाली जगह में चौथा चित्र बनाओ।

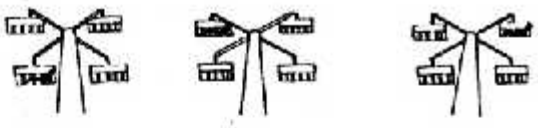

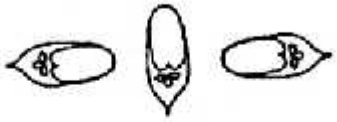

दिनांक

खीरा खाऊँ कचर कचर

इस कहानी के लिए खाली जगहों में चित्र बनाओ।

भाजी का बड़ा खेत था। खेत में खूब बेलें थीं। **कद्दू** थे। पनडोल थे। **ककड़ियाँ** थीं और **खीरे** तो थे बहुत बहुत। वहाँ उड़ता आया एक **कौआ**। आहा, कितने अच्छे हैं ये खीरे। चलो खाऊँ मैं इनको कचर कचर।

कौआ गया बेल के पास। ज्यों ही उसने खीरे में **चोंच** मारी, बेल बोली -- ठहर जा **भाई**। तेरी **चोंच** कितनी गंदी है। पहले **पानी** से अच्छी तरह धो ले और फिर खा कचर कचर।

कौआ गया **बावड़ी** के पास -- बावड़ी, बावड़ी, बावड़ी दीदी, **आँगन** में आया है कौआ भाई। दे थोड़ा पानी, **धो** लूँ जरा चोंच। खीरा खाऊँगा कचर-कचर। बावड़ी बोली -- ले न भाई पानी। पर तू लेगा किसमें? एक **मटका** ले आ और चाहे जितना पानी भर ले।

कौआ उड़ता-उड़ता गया **कुम्हार** के पास। बोला -- कुम्हार, कुम्हार, कुम्हार जी महाराज। **आँगन** में आया है कौआ भाई। दे जरा मटका। निकालूँ थोड़ा पानी, **धो** लूँ अपनी चोंच, खीरा खाना है कचर-कचर।

कुम्हार बोला -- **मिट्टी** ला। अभी बना देता हूँ मटका। कौआ उड़ता-उड़ता गया **खेत** के पास। बोला -- खेत, खेत, खेत महाराज, आँगन में आया है कौआ भाई। दीजिए मिट्टी। मैं दूँगा कुम्हार को, लूँगा मटका, निकालूँगा पानी, धोऊँगा चोंच, खाऊँगा खीरा कचर-कचर।

खेत बोला -- ले आ **हिरण** का **सींग** और चाहे जितनी मिट्टी खोद ले। कौआ उड़ता-उड़ता गया हिरण के पास। बोला -- आँगन में आया है कौआ भाई। दीजिए सींग। लूँगा मिट्टी, दूँगा कुम्हार को, लूँगा मटका। निकालूँगा पानी, धोऊँगा चोंच। मुझे खाना है खीरा कचर कचर।

हिरण बोला – दादा, उखाड़ ले यह सींग। फिर कौए ने हिरण का सींग ले लिया और गया खेत के पास।

मिट्टी खोदी और ले गया कुम्हार के पास।

कुम्हार से उसने मटका लिया और गया बावड़ी के पास।

उसने बावड़ी से पानी निकाला और धो डाली चोंच।

फिर गया बेल के पास। बेल ने दिए बहुत सारे खीरे। कौए ने खाए कचर-कचर।

(ताराबाई मोडक)

आपस में बातचीत करो

1. बेल ने कौए को पहली बार खीरे क्यों नहीं खाने दी?
2. कौआ पानी के लिए बर्तन लेने गया कुम्हार के पास। वो कुम्हार के अलावा और किस के पास जा सकता था?
3. अगर बेल ये कहती –
   ठहर जा भाई, पहले एक पातल तो लेकर आ। फिर उसमें रखकर खाना।
   तो कौआ क्या करता?

कहानी में से ढूंढकर उत्तर अपनी कॉपी में लिखो।

1. भाजी के खेत में क्या-क्या लगा था?

2. कौआ किस-किस के पास गया? नीचे के नाम आगे-पीछे हो गए हैं। उन्हें सही क्रम में जमाओ।

   बावड़ी **हिरण** **बेल** **कुम्हार** **खेत**

3. ककड़ी बेल पर लगती है। बेल पर और क्या-क्या लगता है? लिखो।

दिनांक

4. ककड़ी खाने पर ऐसी आवाज़ आती है – **कचर - कचर**

रोटी खाने पर - ..... केला खाने पर - .....

बताशा खाने पर - ..... चना खाने पर - .....

5. किसने क्या कहा? जोड़ी मिलाओ -

बेल	मिट्टी ला
कुम्हार	सींग ला
बावड़ी	मटका ला
खेत	चोंच धो ले

6. ये कहानी किसने लिखी है? उनका नाम लिखो।

7.ये शब्द कहानी में कितनी बार आए? गिनकर लिखो।

पनडोल ☐ बावड़ी ☐ कौआ ☐ खीरा ☐

मटका ☐ कुम्हार ☐ मिट्टी ☐ चोंच ☐

दिनांक

पहली तीन लाइनें पढ़ो। अब आगे के अधूरे वाक्यों को पूरा करो।

तुम क्या खाओगे? मैं पपीता खाऊंगा। मैं पपीता खाऊंगी। हम पपीता खाएंगे।

तुम कहाँ जाओगे? मैं —— जाऊंगा। मैं —— जाऊंगी। हम रामपुर जाएंगे।

तुम क्या लोगे? मैं —— लूंगा। मैं ——————। हम —— लेंगे।

● मन से कोई दो ऐसे वाक्य लिखो। जिनके शुरु में, *मैं या हम* आता हो।

_____ _____

_____ _____

_____ _____

आगे बढ़ाओ-

सुनाऊं _____ _____ _____

हिलाऊं _____ _____ _____

काटूं _____ _____ _____